एफडीआई को सरल बनाने से पूंजी प्रवाह और बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑडिट और परामर्श कंपनी डेलॉयट इंडिया ने बुधवार को कहा कि बजट में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी निवेश नियमों को सरल बनाने के साथ कंपनी कर की दर में कमी से देश में पूंजी प्रवाह बढ़ेगा।

सभी श्रेणी के निवेशकों के लिए एंजल कर को समाप्त करना स्टार्टअप में निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, भारत को निवेश के लिए भरोसेमंद पूंजी की जरूरत है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नई, पुरानी परियोजनाओं में निवेश के मामले में निजी पूंजीगत व्यय को काफी बढ़ावा दे सकता है।

मजूमदार ने कहा, हालांकि वैश्विक स्तर पर एफडीआई प्रवाह में गिरावट आ रही है और भारत ने वैश्विक नकदी की तंग स्थिति व अनिश्चितताओं के प्रभाव को महसूस किया है। निवेशकों का भरोसा बढ़ाने के लिए व्यापार को और सुगम बनाने और राजकोषीय घाटे को कम करने के उपायों की घोषणा की गई है।